मैथिली (100)

बसंत कुम

कक्षा - 12

अतिथि शिक्ष

प्रकरण - बाल - लीला   दिनांक -

अंचल झाँपि भवन लय गेली।
नयन बरसि जलधार तह भेली।
आनन चुम्बि पयोधर धयल।
सबहुँ सखी मिलि मंगल कयल॥

प्रस्तुत पद्यांश कविवर मनबोध रचित 'बाल लीला' शीर्षकसँ लेल गेल अछि। कविवर, श्रीकृष्णक बाल-सुलभ क्रीड़ाकेँ वर्णन अत्यन्त प्रभावोत्पादक एवं सहज रूपेँ कयलनि अछि।

यशोदा श्रीकृष्णकेँ उखड़िसँ बान्हि गृह-कार्यमे लागि जाइत छथि। कृष्ण उखड़िकेँ गुरकौने-गुरकौने जमला-अर्जुन वृक्षक लगमे जा' वृक्षकेँ उखाड़ि देत छथि। गाछ खसला पर जे शब्द सुनेलय, सुनि यशोदा दौड़लीह। नन्द बाबा सेहो गाय छोड़ि दौड़लाह। यशोदा कृष्णकेँ सुरक्षित देखि छातीसँ लगा लैत छथि। कृष्णकेँ बेर-बेर चु करैत छथि। अड़ोस-पड़ोसक दाई-माई सभ पहुँचि मंगल गान करय छथि।